

मानव जीवन



हिंदी ऑनलाइन कक्षा कक्षा - ७

विषय - हिंदी
पाठ - ७

CHANGING YOUR TOMORROW

● कम-से-कम शब्दों में उत्तर दीजिए-

- (क) कवि क्या नहीं चाहता?
(ख) जीवन कब परिपूर्ण होता है?
(ग) जग किससे पीड़ित है?
(घ) मानव जीवन कैसा है?
(ङ) मानव-जीवन कविता के कवि कौन हैं?

- (क) चिर सुख - दुख।
(ख) जब सुख - दुख का समन्वय होता है।
(ग) अधिक सुख - दुख से।
(घ) मानव जीवन सुख - दुख से पीड़ित है।
(ङ) सुमित्रानंदन पंत

1. भावार्थ लिखिए—

(क) “सुख-दुख के मधुर मिलन से,
यह जीवन हो परिपूरण”

(ख) “मानव-जग में बँट जावे,
दुख-सुख से औ सुख-दुख से।”

(क) “सुख-दुख जीवन हो परिपूरण।”
प्रस्तुत पंक्तियाँ समन्वयवाद को उद्घाटित करती हैं। कवि कहता है कि सुख-दुख के समन्वय से जीवन परिपूर्ण यानी सार्थक हो जाता है। कवि ने सुख-दुख को अस्थाई माना है। इस संदर्भ में उन्होंने समभाव पर बल दिया है।

(ख) मानव जगत में सुख-दुख से।
कवि के ऐसा कहने का भाव यह है कि मानव पूरे संसार में अपने सद्गुणों का प्रचार-प्रसार करें तथा एक-दूसरे के सुख-दुख में शामिल हों। यहाँ 'बँट जावें' शब्द अलग होने का प्रतीक नहीं है बल्कि यह इस उद्देश्य से प्रयुक्त हुआ कि व्यक्ति पारस्परिक समस्या के समाधान के लिए अच्छे गुणों का विकास करे।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

- (क) कवि चिर-सुख और चिर-दुख क्यों नहीं चाहता?
- (ख) 'सुख-दुख की आँख-मिचौली' का अर्थ क्या है?
- (ग) कवि के अनुसार जीवन की परिपूर्णता किसमें है?
- (घ) इस कविता से क्या सीख मिलती है? (मूल्यपरक प्रश्न)

(क) चिर यानी दीर्घ अर्थात् लंबे समय तक चलने वाला। कवि चिर-सुख और चिर दुख नहीं चाहता क्योंकि यदि व्यक्ति को केवल दुख ही मिलेगा तो वह सुख का अनुभव नहीं कर पाएगा और यदि उसे केवल सुख ही मिलेगा तो दुख को नहीं समझ पाएगा। दूसरे शब्दों में कहा जा सकता है कि सुख-दुख के समन्वय से ही जीवन परिपूर्ण होता है इसलिए कवि चिर (दीर्घ) सुख-दुख नहीं चाहता है।

(ख) सुख-दुख की आँख मिचौली अर्थात् जीवन एक आँख मिचौली का खेल है। यहाँ सुख-दुख आते-जाते रहते हैं। ये दोनों मन की दशा हैं।

- (ग) जो व्यक्ति सुख-दुख के बीच सामंजस्य स्थापित करता है, वही जीवन में परिपूर्णता को प्राप्त करता है। कवि के अनुसार सुख-दुख के समन्वय में ही जीवन की परिपूर्णता है।
- (घ) इस कविता से सीख मिलती है न तो सुख स्थाई है और न ही दुख। ये दोनों मन की दशा हैं। इसलिए व्यक्ति को समभाव के साथ रहना चाहिए।

1. रेखांकित शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए-

(क) जीवन में हमेशा सुख होता है।

(ख) जीवन में सुख-दुख बाँटने चाहिए।

(ग) शशि का अर्थ चंद्र है।

(घ) जीवन मधुर है।

.....

.....

.....

.....

(क) दुख

(ख) मृत्यु

(ग) अनर्थ

(घ) कटु / कर्कश

2. निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची लिखिए—

- (क) शशि —
(ख) निशा —
(ग) जग —
(घ) घन —
(ङ) मानव —

- (क) चाँद, चन्द्रमा
(ख) रात, रात्रि
(ग) संसार, दुनिया
(घ) बादल, विद्युत्
(ङ) मनुष्य, इंसान

निम्नलिखित रेखांकित पदों के आगे लिखिए कि वे विशेषण हैं या विशेष्य-

(क) मधुर मिलन

(ख) अति दुख

(ग) इन चरणों

(घ) निठल्ले लड़के

(ङ) घनी छाया

(च) मलिन शरीर

(छ) दुर्बल हाथ

(ज) नीला आसमान

(क) विशेषण

(ङ) विशेषण

(ख) विशेषण

(च) विशेष्य

(ग) विशेष्य

(छ) विशेष्य

(घ) विशेष्य

(ज) विशेषण

4. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए—

(क) मधुर —

(ख) ओझल —

(ग) पीड़ित —

(घ) आँगन —

(क) कोयल की आवाज़ बहुत मधुर होती है।

(ख) अमावस्या के दिन चाँद ओझल हो जाता है।

(ग) वो बहुत सालों से कैंसर से पीड़ित है।

(घ) हमारे घर के आँगन में एक बगीचा बना हुआ है।

THANK YOU

CHANGING YOUR TOMORROW